



असाधारण
EXTRAORDINARY

प्रांभकार मे प्रकृतिशिल

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी ९, २०११ माघ १६, १९३२

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 5, 2011/MAGHA 16, 1932

(औद्योगिक नावित और संयर्थन विभाग)

अभिप्रेक्ष्यन्ता

doi:10.1017/S0022278X09990111

सा.का.वि. 65(अ). भारत के संसद ने असाधारण [भाग II]
[भाग 3] के अन्तर्गत 11 अक्टूबर 2006 में भारत सरकार,
नई दिल्ली की सरकार में राज्य अधीनस्थ नानि और संशोधन विभाग
की अधीनस्थता का सार्वजनिक 888 अ. विधिवि 3 दिनांक, 2006 का
नए विधिविधिवि अधिनियम, 1884 अ. 1884 का 4) के अन्तर्गत 18 के
सा.का.वि. 65(अ) की असाधारणतया विधिविधिवि नियम, 2006 का
असाधारणतया का विधिविधिवि का एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया
अधिनियम [यम प्रस्तुत करने वाले राज्य के संसदिय अंगों में अधिनियम
में सुझाव, संशोधन की प्रक्रिया, जिसमें राज्य अधीनस्थता शामिल थी,
अन्य का विधिवि असाधारण होने का अर्थ है कि 48 दिनों की अवधि
असाधारण रूप से पूर्ण अधीनस्थ किया गया था;

1. संशोधन : इस विषय पर विचार करने के लिए प्रो. अशोक कुमार शर्मा, जयपुर विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत को आमंत्रित किया गया।

श्री अशोक कान्त मल्लिक का कार्य भी आरंभ एवं प्रभाव
पूर्ण नहीं था ही।

जवाहीरलाल नेहरूजी, १९४६-१९६४ ई.स. के भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का पदोन्नत कार्य रहा। जो भारत के आजादी के बाद के निर्माणकारी विकास कार्य में...

उदाहरण-1. (1) इस वाक्यमें का विभक्तिकाल : संज्ञावाचक शब्दों का प्रयोग ।

(c) A person who has been convicted of a crime involving moral turpitude shall be ineligible for employment by the State.

2. **परिचय** : यह प्रश्न 2018 में पूछा गया था।
 यह NCERT की 11वीं कक्षा के अध्याय 14 'परिचय'
 में शामिल है।

[illegible]

1992, 24, 311-322. *Springer-Verlag*.

बालकः कृष्णः शङ्खः शङ्खः शङ्खः

टिप्पणी : उपर्युक्त अभिलेखन में, आकाशिक आकाशिक प्रकाश
१. दिसम्बर, २००९ के महान आकाशिक प्रकाश में आकाशिक
प्रकाश का अ

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Industrial Policy and Promotion)
NOTIFICATION

New Delhi, the 24th January, 2011

G.S.R. 65(E).—Whereas draft rules to amend the Explosives Rules, 2008 were published, as required by sub-section (1) of Section 18 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884), *vide* notification of the Government of India, Ministry of Commerce and Industry (Department of Industrial Policy and Promotion) Number G.S.R. 858(E), dated the 3rd December, 2009 in the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3, Sub-section (i), dated 3rd December, 2009 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on 3rd day of December, 2009;

And, whereas, no objections and suggestion have been received by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by Sections 5 and 7 of the Explosives Act, 1884 (4 of 1884), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Explosives (Amendment) Rules, 2010.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In the Explosives Rules, 2008, in Schedule V in Part 4, in SET-XVI, in Condition 3, for clause (a), the following clause shall be substituted namely:—

“(a) The explosives mixture on each stick shall not exceed 2.0 gram in the case of colour matches and 3.0 gram in the case of star matches and the length of the stick shall not be more than 180 mm and the extent of length of each stick covered by explosives mixture shall not be more than half of the length of the stick”

[F. No. 31(5)/2008-Expl.]

CHAITANYA PRASAD, Jr. Secy.

Note:— The Principal rules were published in Gazette of India, Extraordinary *vide* notification number G.S.R. 907(E), dated the 31st December, 2008.